Topic

Date ___/___/___

# PRAGYA COLLEGE OF EDUCATION

## ACHIEVEMENT TEST

## M.ED - 3rd Sem

Pragya College of Education

Topic ..... Date .....

# उपलब्धि परीक्षा

उपलब्धि परीक्षाएँ वे परीक्षाएँ हैं, जिनकी सहायता से विद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषयों में सिखाई जाने वाली कुशलताओं में छात्रों की निपुणता या उपलब्धि का ज्ञान प्राप्त किया जाता है।

उपलब्धि परीक्षाओं के अर्थ को स्पष्ट करने के लिए कुछ परिभाषाएँ प्रस्तुत हैं —

(1) हॉकिन्सन के अनुसार :-

उपलब्धि परीक्षाओं का निर्माण मुख्य रूप से छात्रों के सीखने के स्वरूप और सीमा का माप करने के लिए किया जाता है।

(2) गैरिसन के अनुसार :-

उपलब्धि परीक्षा, बालक की वर्तमान योग्यता या किसी विशिष्ट विषय के क्षेत्र में उसके ज्ञान की सीमा का मूल्यांकन करती है।

(3) थार्नडाइक के अनुसार :-

जब हम उपलब्धि परीक्षा का उपयोग करते हैं, तब हम इस बात का निश्चय करना चाहते हैं कि इस विशिष्ट प्रकार की शिक्षा प्राप्त करने के उपरान्त व्यक्ति ने क्या सीखा है।

Pragya College of Education

Topic ........ Date ........

## उपलब्धि परीक्षण की विशेषताएँ

उपलब्धि परीक्षण, ज्ञान तथा कौशल को मापने के लिए होती है, इसलिए विद्यालयों से इसका सीधा सम्बन्ध होता है। इसकी विशेषताएँ निम्नलिखित है -

* उपलब्धि परीक्षण द्वारा ज्ञान तथा उपलब्धि की लब्धि ज्ञात की जाती है।
* उपलब्धि परीक्षण मे प्रश्नों की रचना उपलब्धि की मात्रा की गणना तथा व्यक्ति की प्रगति की मात्रा का मापन करने के लिए की जाती है।
* उपलब्धि परीक्षण मे वर्तमान प्रगति का पता चलता है।
* विषयों की भिन्नता के अनुसार अलग-अलग परीक्षण बनाए जाते है।
* उपलब्धि परीक्षण मे अर्जित ज्ञान का मापन करना आवश्यक होता है।
* उपलब्धि परीक्षण, व्यक्ति की उपलब्धि की क्षमता का प्रदर्शन करता है।

## उपलब्धि परीक्षण के उद्देश्य

वर्ष के अन्त मे विभिन्न कक्षाओं के छात्रों के लिए उपलब्धि परीक्षाओं का आयोजन निम्नलिखित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए किया जाता है -

* बालकों को पढ़ाये जाने वाले विद्यालय - विषयों मे उनकी ज्ञान की सीमा का मापन करने के लिए किया जाता है।

Pragya College of Education

Topic .......... Date ..........

* बालकों की विभिन्न विषयों तथा क्रियाओं में वास्तविक स्थिति को ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

* बालकों की पढ़ने - लिखने के समान कुशलताओं में गति तथा श्रेष्ठता को निश्चित करने के लिए किया जाता है।

* पाठ्यक्रम के लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति की और बालकों की प्रगति की जानकारी करने के लिए किया जाता है।

* बालकों को ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए प्रशिक्षण के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए किया जाता है। बालकों की अधिगम सम्बन्धी कठिनाइयों को ज्ञात करने तथा उनका निवारण करने के लिए पाठ्यक्रमों में आवश्यक परिवर्तन करने के लिए किया जाता है।

शिक्षक के शिक्षण तथा अध्ययन की सफलता का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है।

## उपलब्धि परीक्षण के प्रकार

(1) मौखिक परीक्षण :- ऐसे परीक्षण का उपयोग प्रायः अध्यापक अपनी कक्षा में करते हैं। वह निरंतर छात्रों से पढ़ाए गए प्रकरण से संबंधित प्रश्न पूछते हैं और छात्र उनका उत्तर देते हैं।

Pragya College of Education

Topic ........ Date ........

(2) लिखित परीक्षा:-

ऐसे परीक्षा मे प्रश्न लिखित रूप मे पूछे जाते हैं और छात्र लिखित माध्यम से ही उनका उत्तर देते हैं।

## उपलब्धि परीक्षा की उपयोगिता

असाइनमेंट टेस्ट आमतौर पर शिक्षा उद्योग, सिविल श्रृंखला और निर्देश और परामर्श नैदानिक उद्देश्य के लिए भी उपयोग किया जाता है।

(1) ग्रेड का असाइनमेंट :-

मानकीकृत उपलब्धि परीक्षा सरकारी उद्योग और पाठ्यक्रमों के दौरान ग्रेड कार्यक्रमों को असाइन करने के बाद उपयोग किए जाते हैं।

(2) अगली कक्षा के लिए पदोन्नति :-

शैक्षिक संस्थान मे छात्र को उपलब्धि परीक्षा के आधार पर अन्य श्रेणी मे पदोन्नत किया जाता है।

(3) व्यक्तियो का वर्गीकरण :-

उपलब्धि परीक्षा अक्सर व्याकरण विद्यालय, हाई स्कूल या कॉलेज मे विशेष पाठ्यक्रम मे छात्र को वर्गीकृत करने के लिए उपयोग किया जाता है।

Pragya College of Education

Topic ..... Date .....

# उपलब्धि परीक्षण का निर्माण

किसी भी लक्ष्य की पूर्ति हेतु संस्था या व्यक्ति प्रत्येक स्तर पर योजना बनाता है। सरकार द्वारा निर्मित पंचवर्षीय योजनाएं इसका महत्वपूर्ण उदाहरण हो सकती हैं इसी प्रकार विद्यार्थियों के मूल्यांकन हेतु परीक्षण का निर्माण किया जाता है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न पक्षों का मापन हेतु प्रश्नों को समुचित स्थान देने हेतु योजना तैयार की जाती है। शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मापन तथा मूल्यांकन के लिए समय पर अनेक प्रकार के परीक्षणों का प्रयोग करते हैं।

परीक्षण निर्माण के आधार पर इन्हें दो भागों में बाँटा जा सकता है।

इक उपलब्धि परीक्षण निर्माण के मुख्य चरण निम्नलिखित हैं -

* योजना परीक्षण
* तैयारी परीक्षण
* प्रशासन परीक्षण
* स्कोरिंग परीक्षण
* परीक्षण का मूल्यांकन

## उपलब्धि परीक्षण की सीमाएं

(1) उपयुक्त मानदण्ड के चयन में, सत्यापन की समस्या उत्पन्न होती है।

(2) परीक्षण की वैधता एक निश्चित डिग्री तक तय होती है क्योंकि इसमें कुछ समय की पूर्वानुमान की वैधता होती है।

(3) व्यायाम के कारण व्यक्तिगत मतभेदों को नजरअंदाज किया जाता है।

Pragya College of Education